पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा– पंचमी
विषय– धर्म शिक्षा
प्रथम सत्र

पाठ 1	याचना हे प्रभो आनन्द दाता
पाठ 2	गायत्री
पाठ 3	आर्य समाज के नियम 7 – 10
पाठ 4	मूल शंकर का गृह त्याग
पाठ 5	ऋषि महिमा
पाठ 6	अच्छा बालक
पाठ 7	महात्मा सुकरात की सहनशीलता
पाठ 8	बडे घर के गायक
पाठ 9	गुणगान
पाठ 10	अहिंसा

द्वितीय सत्र

पाठ 11	स्वाध्याय
पाठ 12	सत्संग का प्रभाव
पाठ 13	सेवा
पाठ 14	शरणागति
पाठ 15	स्वामी विरजानन्द सरस्वती
पाठ 16	पं गुरुदत्त
पाठ 17	लाला लाजपतराय
पाठ 18	सरदार भगतसिंह
पाठ 19	दयानन्द प्रशस्ति

डी0 ए0 वी सै0 पब्लिक स्कूल पश्चिम एन्क्लेव नई दिल्ली

पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा– पंचमी
विषय– धर्म शिक्षा

मासः	विषयः	उद्देश्यम्
अप्रैल –20 **पाठ 1,2,3** **याचना ,गायत्री मन्त्र का महत्व ,** **आर्य समाज के नियम ,**	पाठों के शीर्षकों के स्पष्ट करते हुए कठिन शब्दों को बताकर ,प्रस्तुत विषय की विषय की जानकारी देना और प्रार्थना को कंठस्थ कराना ।	1 बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान की वृद्धि करना । 2 आर्य समाज के विषय में जानकारी देना ।
मई –16 **पाठ 4 , 5** **मूल शंकर का गृह त्याग और गुरु दक्षिणा,** **ऋषि महिमा**	स्वामी दयानन्द के जीवन के विषय में अधिकाधिक जानकारी देना ,कविता के माध्यम से स्वामी दयानन्द की कार्य प्रणाली को बताना तथा छात्रों से प्रश्नोत्तर करना ।	1 स्वामी दयानन्द के कार्यों से बच्चों में कर्तव्यपरायणता के भाव उत्पन्न करना । 2 कविता को कंठस्थ कराना । 3 अच्छे संस्कारों को देना ।
जुलाई – 21 **पाठ 6,7** **अच्छा बालक,** **महात्मा सुकरात**	छात्रों मे ं सत्य बोलने की प्रेरणा क्रोध पर विजय कैसे प्राप्त करें ,सहनशील बनने की प्रक्रिया पर बल देना ।	1 माता ,पिता ,आचार्य के प्रति आदरभाव रखें । 2 धर्म के आचरण पर चलें ।
अगस्त –22 **पाठ 8,9,10** **बडे घर के गाायक ,** **गुणगान ,** **अहिंसा**	ईश्वर के प्रति समर्पित भाव को प्रदर्शित करना ,ईश्वर शक्तिके बिना सभी निरर्थक है । अहिंसा से किस प्रकार बच्चों में क्या परिवर्तन होता है ऐसी जानकारी देना।	1 बच्चे ईश्वर भक्त बनें । 2 धर्म के प्रति दृढ बनें । 3 हिंसात्मक प्रवृत्ति को त्याग कर अहिंसक बनें ।

द्वितीय सत्र

अक्तूबर –17 **पाठ 11 ,12** **स्वाध्याय ,** **सत्संग का प्रभाव**	स्वाध्याय से अनेकों बुराइयों का निवारण करना ,नैतिकता की आवश्यकता क्यों है तथा व्यवहारिक ज्ञान की वृद्धि करने से हमें क्या लाभ होता है– जानकारी देना ।	1 बच्चे नैतिक मूल्यों में रुचि लें । 2 स्वाध्याय के प्रति जागरूक बनें । 3 ईश्वर,माता,पिता आचार्यों के प्रति आदर भाव रखें ।
नवम्बर– 21 **पाठ 13,14,15** **सेवा** **शरणागति,** **स्वामी विरजानन्द सरस्वती**	सेवा करने से मनुष्य बिना अहंकार के जीवन को सुखी बनाता हुआ अपने चरित्र का निर्माण करता है ईश्वर की शरण में आने से पुण्य की प्राप्ति होती है । स्वामी विरजानन्द पाठ से आत्मावलोकन ,तार्किक शक्ति विलक्षण प्रतिभा आदि का ज्ञान हेाता है ।	1 बच्चों में सेवा करने की प्रवृति जागृत हो । 2ईश्वर भक्ति की ओर उन्मुख हों 3तार्किक शक्ति का विकास हो । तनावपूर्ण स्थिति से बचें ।
दिसम्बर –22 **पाठ 16 ,17** **पं गुरुदत्त विद्यार्थी ,** **पंजाब केसरी लाला लाजपतराय**	पं गुरुदत्त विद्यार्थी एवं लाला लाजपतराय की जीवनी के माध्यम से बच्चों में देश भक्ति की भावना त्यागपूर्ण जीवन , काल्पनिक शक्ति व्यवहारिकता के बारे में जानकारी देना ।	1 समर्पित भाव को जागृत करना । 2 देश भक्ति के संस्कार देना । 3 व्यवहारिक जीवन जीना सीखें । 4 आपसी संबंध मैत्री पूर्ण बनायें ।
जनवरी– 12 **पाठ 18 ,19** **सरदार भगत सिंह ,** **दयानन्द प्रशस्ति**	सरदार भगत सिंह तथा दयानन्द प्रशस्ति से छात्रों में देश भक्ति तथा धार्मिक प्रवृत्ति की ओर उन्मुख करना एवं देश के प्रति सम्मान करना सिखाना ।	1 अपने देश को सर्वोपरि मानें । 2 धर्म का अपमान न करें । 3 महापुरुषों का सम्मान करें ।